ओ कान्हा ओ कान्हा ना मुझको इतना सता

ओ कान्हा ओ कान्हा ना मुझको इतना सता
ओ राधे ओ राधे थोडा सा माखन चखा

मटकी तू काहे फोड़े है बहियाँ मरोड़े है ओ कान्हा
काहे तू मोहे सताता है मोहे रुलाता है ओ कान्हा
छोड़ेगे ना तुझको राधे पेहले माखन चखा
ओ कान्हा ओ कान्हा ना मुझको इतना सता

दहिया को बेचने जब रस्ते पे आऊ,
रस्ते पे ग्वालो संग तोहे बैठा पाऊ,
जाने दूंगा तुझको टैक्स पेहले मेरा चूका
ओ कान्हा ओ कान्हा ना मुझको इतना सता

बेदर्दी सखियों के चीर को चुराए,
चोरी से चुपके से माखन तू खाए
देदे राधे देदे राधे मटकी मोह से न छुपा
ओ कान्हा ओ कान्हा ना मुझको इतना सता

मैया से बाबा से शिकयात मैं लगाऊ
यशोमत मैया से तोहे मैं पित्वाऊ
चन्दन देदे नोत्न फिर पीछे तू पिटवा,
ओ कान्हा ओ कान्हा ना मुझको इतना सता

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/19892/title/oh-kanha-o-kanha-naa-mujhko-itna-sta

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |